पीजी प्रवेश प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू

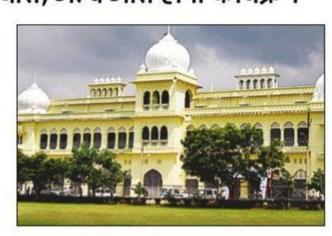
लखनऊ विश्वविद्यालय शताब्दी वर्ष

लविवि : परीक्षा के माध्यम से होंगे प्रवेश, ऑफलाइन काउंसिलिंग कराने की तैयारी, जल्द जारी होगा कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन स्नातक व पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के साथ ही अगले सप्ताह से परास्नातक कोर्सों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। विवि प्रशासन संभवतया तैयारियों को पूरा कर अगले सप्ताह से ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर देगा। जल्द इसका विस्तृत कार्यक्रम भी जारी किया जाएगा।

विश्वविद्यालय की स्नातक व पीएचडी प्रवेश आवेदन प्रक्रिया 9 मार्च से शुरू हुई थी, जो अब काफी पटरी पर आ गई है। चार दिन में लगभग 500 विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए आवेदन किए हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विभागों से पीजी कोसों की सीटों के बारे में जानकारी मांगी थी। कुछ एक को छोड़कर अधिकतर जगह से सूचनाएं आ चुकी हैं। अब आगे की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा एमए, एमएससी, एमकॉम, एमबीए, एमएड, एमपीएड, बीपीएड, एलएलएम, एलएलबी, बीलिब, एमलिब आदि पीजी कोर्सों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इन कोर्सों में लगभग 4000 सीटें हैं। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया 20 मार्च तक शुरू करने की तैयारी है। हालांकि कोरोना संक्रमण के केस कम होने के साथ ही इस बार ऑफलाइन काउंसिलिंग कराने की तैयारी है। प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि पीजी प्रवेश की तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जल्द से जल्द विस्तृत कार्यक्रम जारी किए जाएंगे।



AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एमबीए में कैट को वरीयता

विश्वविद्यालय कॉमर्स विभाग व आईएमएस में चल रहे एमबीए कोर्सों के लिए यूं तो प्रवेश परीक्षा का आयोजन करेगा, किंतु राष्ट्रीय स्तर की मैनेजमेंट प्रवेश परीक्षा कॉमन एडिमशन टेस्ट (कैट) क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश में वरीयता दी जाएगी। इसके विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा में भी शामिल नहीं होना होगा। उनको उनके स्कोर कार्ड व अन्य शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा

वर्तमान सत्र के विद्यार्थी बनाएं आईडी लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के केंद्रीयकृत डेटा के लिए शुरू किए गए यूनिवर्सिटी डेटा रिसोर्स सेंटर (यूडीआरसी) पोर्टल पर विद्यार्थियों के आईडी व पासवर्ड बनाने की कवायद कर रहा है। इसी क्रम में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सत्र 2020-21 में प्रवेशित सभी विद्यार्थियों का डेटा युडीआरसी पर उपलब्ध करा दिया गया है। अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक व आईडी की सहायता से अपना पासवर्ड बना सकते

हैं। प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी भी अपनी लॉगिन बना लें।

JAGRAN CITY PAGE III

साहित्य अपने आप में जीवन का पुनर्प्रवर्तन

लखनऊ। पदुमश्री प्रोफेसर राज बिसारिया ने कहा है कि साहित्य अपने आप में जीवन का पुनर्प्रवर्तन है। इसलिए हमें युवाओं को ज्यादा से ज्यादा इसके प्रति प्रेरित करना चाहिए। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के लखनऊ एक्सप्रेशंस सोसाइटी के मेटाफोर लिटफेस्ट को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के सहयोग से मालवीय हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग की प्रो. रानू उनियाल ने विश्वविद्यालय का परिचय दिया और साहित्य की क्लासिक रचनाओं से अवगत कराया। कविता सत्र में महिला और विश्व विषय पर छात्रों ने कविताएं आधारित क्विज एवं गायन में छात्र-पढ़ी। इस अवसर पर डॉ. अनामिका, प्रो. नंदिनी साह, आयशा आदि उपस्थित थीं। अतिथियों का

कॅरियर के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक खनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल की ओर से शुक्रवार को दिल्ली के संस्थापक अतुल कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद किया और छात्रों को बेहतर प्रदर्शन टिप्स दिए। संवाद में प्रो. मधुरिमा प्रधान निदेशक काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल, मनोविज्ञान ाध्यक्ष डॉ. ललित कुमार सिंह, प्रो. आंचल श्रीवास्तव, डॉ. अमृता श्रीवास्तव मौजूद रहे।

मालवीय सभागार में शुक्रवार को लिटफेस्ट का आयोजन किया गया।

यूं भी रास आई नहीं उसकी वफा तुम रख लो....

लखनऊ। यूं भी रास आई नहीं उसकी वफा तुम रख लो, मुझको बीमार ही

रहना है दवा तुम रख लो... जैसे से बढ़कर एक शेर पढ़कर शायर आयशा

अयुब ने खुब दाद लूटी। मौका था एलयु के लखनऊ एक्सप्रेशंस सोसाइटी

व आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से आयोजित मेटाफोर

पद्मश्री प्रो. राज बिसारिया द्वारा किया गया।

लिटफेस्ट के आंठवें संस्करण के आयोजन का। मालवीय सभागार में

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सोसाइटी की अध्यक्ष कनक रेखा और

स्वागत लखनऊ एक्सप्रेशंस सोसाइटी की

अध्यक्ष कनक रेखा ने किया।

महिलाओं ने रखे नारी सुरक्षा पर विचार लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के

पर्यटन अध्ययन संस्थान तथा अक्षय ऊर्जा शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र की ओर से महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नारी सुरक्षा, सम्मान और बढ़ते शोषण के खिलाफ मिशन शक्ति के अधीन अस्मिता नाम से आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में महिलाओं के विकास, उनके अधिकार और रोजगार पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में नारी सशक्तीकरण पर छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अलावा घरेलू हिंसा व सुरक्षित यात्रा विषय पर एक परिचर्चा आयोजित हुई। पैनल में नीलम गौतम, हिना सिराज, सपना बिष्ट, डॉ. निधि नागर ने व्याख्यान दिया। अध्यक्षता प्रो. बीडी सिंह ने की। डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. ज्योत्सना मौजूद रहे।

पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश को नहीं देनी होगी परीक्षा

लखनऊ निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में पार्ट टाइम पीएचडी प्रवेश के लिए परीक्षा नहीं होगी। उनके प्रवेश शोध से जुड़े लेखन, नौकरी के अनुभव और इंटरव्यू के आधार पर होंगे। जो अभ्यर्थी आवेदन करेंगे, उन्हें एक हजार शब्दों का लेखन विश्वविद्यालय में जमा करना होगा। इस लेखन पर छात्रों को 70 प्रतिशत

वेटेज दिया जाएगा। नौकरी के अनुभव, शैक्षिक योग्यता और साक्षात्कार के 30 प्रतिशत वेटेज मिलाकर मेरिट तय होगी। वही अभ्यर्थी किसी भी तरह की फेलोशिप या स्कॉलरशिप के लिए पात्र नहीं होंगे। लविवि ने पहली बाद पार्ट टाइम

रेखाचित्र में संध्या अव्वल

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय

में सांस्कृतिक सेल द्वारा शुक्रवार को

'आजादी की अमृत महोत्सव' थीम

पर व्याख्यान, निबंध प्रतियोगिता व

रेखाचित्र प्रतियोगिता आयोजित की

गई। संस्कृत विभाग के असिस्टेंट प्रो.

डा . सत्यकेतु ने 'राष्ट्र की अवधारणा'

पुरस्कार संध्या नटनागर, दूसरा स्थान

आयषी और प्रियंका तथा तीसरे स्थान

रहीं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

पर अंजलि बघेल व साधना राजपत

शिवम पांडे, द्वितीय स्थान पर दिव्या

वर्मा और वर्तिका तिवारी रहे। तीसरा

को मिला।(जासं)

स्थान रोशनी रावत और शिवांगी त्रिवेदी

विषय पर चर्चा की। इस अवसर

पर रेखा चित्र प्रतियोगिता में प्रथम

JAGRAN CITY PAGE I

सुविधा

• प्रवेश शोध से जुड़े लेखन, नौकरी के अनुभव और इंटरव्यू के आधार पर होंगे

• एक हजार शब्दों के लेखन पर छात्रों को दिया जाएगा ७० फीसदी वेटेज

पीएचडी की शुरुआत की है। 89 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे। बीते नौ मार्च से इसकी आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। प्रवेश के लिए सबसे ज्यादा 70 पार्टिशट वेटेज एक हजार शब्दों के राइटअप पर मिलेगा। जो अभ्यर्थी पार्ट टाइम पीएचडी में आवेदन करेंगे। उन्हें यह एक हजार शब्दों में बताना होगा कि किस विषयमें शोध करना चाहते हैं।

एलयूः पीजी के कोर्स में आवेदन की तैयारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए तैयारियां चल रही हैं। बीते नौ मार्च से स्नातक और पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई है, बहुत जल्द अब पीजी कोर्स में आवेदन लिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के विभागों में कोर्सवार सीटों का ब्योरा तैयार किया जा रहा है। एलयू में परास्नातक स्तर पर एमए, एमएससी, एमकाम, एमवीए, एमबीए, एमएड, एमपीएड, एलएलबी, एलएलएम सहित 10 कोर्स संचालित हैं। इन सभी में दाखिले प्रवेश

परीक्षा के माध्यम से लिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा मल्टीपल च्वाइस पर आधारित होगी। वही एमबीए में कामन एडमिशन टेस्ट पास करके आने वाले अभ्यर्थियों प्रवेश के समय वरीयता दी जाएगी। इन्हें सीधे इंटरव्यू में शामिल होने का मौका दिया जाएगा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

साहित्य जीवन का पुनः प्रवर्तन : राज बिसारिया

मेटाफोर लिटफेस्ट के आठवें संस्करण का आयोजन

शक्रवार को मेटाफोर लिटफेस्ट के आठवें सेस्करण का आयोजन अंग्रेजी व आधनिक यरोपीय भाषा विभाग के सहयोग किया गया। समारोह का स्वागत उद्वोधन लखनऊ एक्सप्रेशंस सोसाइटी के रध्यक्ष श्रीमती कनक रेखा द्वारा दिवा गया और पदाश्री प्रो. राज विसारिया द्वारा दीप प्रज्वलित किए गए।

क्लासिक रचनाओं से अंग्रेजी विभाग की प्रो रानु उनियाल ने अपने व्याख्यान से अवगत करावा। उन्होंने इस उत्सव में रिटोरिका क्वार्टरली' के तीसरे अंक क एवं उनकी लिखी कविता संकलन 'द डे वं ट स्ट्रॉवेरी पिकिंग इन स्कार्वेरी के स्पेनिश अनवाद का भी औपचारिक विमोचन भी किया। प्रोफेसर विसारिया ने

हुआ। बाद में नए लेखक नए तेवर थीम पर

जीवन का पनः प्रवर्तन है।

एक आकर्षक कविता सत्र 'महिला और विश्व' के विषय पर डॉ अनामिका और

AMRIT VICHAR PAGE 3

लविवि प्रशासन ने जारी की वेबसाइट पर गाइड लाइन

पार्ट टाइम पीएचडी वाले नहीं कविता–कहानियों से निकले 76 सीटों पर होंगे दाखिले पार्ट टाइम पीएचडी के छात्र को नहीं मिलेगी छात्रवृत्ति समय प्रबंधन से करें तैयारी होंगे फेलोशिप के पात्र किस्सों ने किया प्रभावित विश्वविद्यालय में पार्ट टाइम पीएचडी अमृत विचार लखनऊ

लविवि : शिक्षकों से तीन से

पांच बजे तक मिलेंगे कुलपति

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय

के कुलपति प्रो . आलोक कुमार राय ने

शिक्षकों से मिलने का समय तय कर

दिया है।कुलसचिव डा. विनोद कुमार

कुलपति ने कार्यालय में रोजाना शिक्षकों

सिंह द्वारा जारी आदेश के मुताबिक,

के मिलने का समय दोपहर तीन से

छोडकर) तक निर्धारित कर दिया

है। शिक्षक तय समय में कुलपति से

मिलकर सहयोग ले सकते हैं। (जासं)

शाम पांच बजे (अवकाश के दिनों को

परीक्षा के लिए न लें तनाव

लविवि के ओएनजीसी बिल्डिंग में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों से संवाद करते मनोवैज्ञानिक

: लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने शुक्रवार को ओएनजीसी बिलिंडग

और नए परिसर में छात्र-छात्राओं के लिए संवाद सत्र का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में मौजूद छात्र-छात्राओं ने अपनी चिंता से जुड़े सवाल पूछे। जवाब देने के लिए यूनीक इंस्टीट्यूट आफ बिहैवियर साइंस नई दिल्ली से आए नैदानिक मनोवैज्ञानिक अतुल कुमार बतौर

संवाद सत्र में एक छात्रा ने पूछा 'सर, मैंने कोर्स के अनुसार तैयारी की है। फिर भी फेल होने का डर लगा रहता है। लगता है कि सब धल गई? ने बताया कि परीक्षा के लिए बिल्कुल है। छोटे-छोटे नोट्स बना लें, जिसका रोज अध्यास करें। लिखने का मानीनी श्रीवास्तव डा. मेघा सिंह भी अध्यास करें। इससे चीजें दिमाग में पुराने परिसर में मौजूद थे।

लविवि के मनोविज्ञान विभाग की काउंसिलिंग एंड गाइडेंस सेल द्वारा पुराने और नए परिसर में आयोजित हुआ संवाद कार्यक्रम करते हुए घबराहट होना, प्रस्तुतीकरण

> करते समय भय, परीक्षा मे फेल होने की चिंता सहित कई सवाल पूछे, जिसके उन्हें जवाब दिए गए। इन मुद्दों उन्होंने बताया कि यदि इंटरव्य में प्रजेंटेशन के समय डर लगता है तो उससे पहले अपने किसी दोस्त

क अनुभव आर इटरव्यू के आधार पर होंगे। यानी जो अध्यर्थी आवेदन करेंगे. उन्हें एक हजार शब्दों का लेखन विश्वविद्यालय में जमा करना होगा। इसका परीक्षण कर 70 फीसद वेटेज दिया जाएगा। साथ ही नौकरी के अनुभव, शैक्षिक योग्यता और साक्षात्कार के 30 फीसद भारांक (वेटेज) मिलाकर मेरिट तय होगी। इसके अलावा अध्यर्थी किसी भी तरह की फेलोशिप या स्कालरशिप के

लिए पात्र नहीं होंगे। विश्वविद्यालय

ने इस संबंध में वेबसाइट पर स्पष्ट

गाइडलाइन जारी की है।

लविवि ने पहली बाद पार्ट टाइम पीएचडी की शुरुआत की है। 76 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे। बीते नौ मार्च से इसकी आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के मानक तय किए हैं। खास बात ये है कि सबसे ज्यादा 70 फीसद वेटेज (भारांक) एक रुजार शब्दों के राइटअप पर मिलेगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि जो अध्यर्थी पार्ट श्रीवास्तव, डा. अमृता श्रीवास्तव, डा. टाइम पीएचडी में आवेदन करेंगे।

दाखिले शोध से जुड़े लेखन, नौकरी हजार शब्दों के लेखन संबंधी चीजें भी हड दखग, लाकन यह किस आधार पर लिया जाना है। यह जल्द ही हेड की बैठक के बाद तय होगा। प्रो. वीके शर्मा, डीन एडमिशन, लविवि

> ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ पार्ट टाइम पीएचडी के लिए आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्युएस कोटा) वर्ग वाले अभ्यर्थियों को भी मौका मिलेगा। उन्हें आनलाइन आवेदन में इसका जिक्र करना होगा । साथ ही इसका प्रमाण पत्र अपलोड किया जा सकता है।

काउंसिलिंग के समय इस प्रमाण

पत्र के साथ घोषणा पत्र भी देना

अधिकतम आट साल में पूरी करनी होगी पीएचडी पार्ट टाइम पीएवडी के लिए समय सीमा तय कर दी है। इसके लिए न्यूनतम चार वर्ष और अधिकतम आढ वर्ष की अवधि होगी।

होगा कि किस विषय या क्षेत्र में शोध करना चाहते हैं। यह लेखन बहुत उन्हें यह एक हजार शब्दों में बताना



अयुब और राज बिसारिया 🏻 जागरण

सोसाइटी का मेटाफर-लखनऊ साहित्य महोत्सव (स्प्रिंग एडिशन) शुक्रवार से शुरू हो गया। सात दिनों तक चलने वाले आयोजन के पहले दिन कविता और कहानियों से निकले किस्सों ने साहित्यप्रेमियों को प्रभावित किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में वरिष्ठ रंगकर्मी राज बिसारिया, कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और डा. अमृता दास

विवि में नर्सरी ग्राउंड से शुरुआत की। रचनाएं भी सुनाईं। दिल्ली से ही आईं रंगमंच के जरिये आगे बढ़ा, लेकिन प्रो. नंदिनी साह ने अपनी चर्चित अब वो थिएटर कल्चर गायब हो रचना 'सीता' पर बात की।

जासं. तखनकः : लखनक एक्सप्रेशंस गया। डा. अमता दास ने विद्यार्थियों को साहित्य में करियर के रास्ते बताए। प्रो. निशि पांडेय ने भी विचार

दूसरा सत्र कविताओं के नाम रहा, जिसका शीर्षक वूमेन एंड द वर्ल्ड था। इसमें दिल्ली की साहित्यकार डा. अनामिका, इग्नु की प्रो. नंदिनी साह और लखनक की शायरा आयशा अयुब से उनके कृतित्व पर लविवि की प्रो. रानू उनियाल ने चर्चा की। ने साहित्य महोत्सव का उदघाटन हा. अनामिका ने अपनी जीवन यात्रा के बारे में कहा कि यात्रा भीतर से राज बिसारिया ने कहा कि मैंने शुरू होती है। उन्होंने अपनी चुनिंदा

विश्वविद्यालय (लववि) में पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले शोध से जुड़े लेखन, नौकरी के अनुभव और साक्षात्कार के आधार पर होंगे। यानी जो अभ्यर्थी आवेदन करेंगे, उन्हें एक हजार शब्दों का लेखन विवि में जमा करना होगा। इसका परीक्षण कर 70 प्रतिशत भारांक दिया जाएगा। इसके अलावा नौकरी के अनुभव, शैक्षिक योग्यता और साक्षात्कार के 30 प्रतिशत भारांक मिलाकर मेरिट तय होगी। इसके अलावा अभ्यर्थी किसी भी तरह की छात्रवृत्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। विवि ने वेबसाइट पर गाइड लाइन जारी की है।

लविवि ने पहली बाद पार्ट टाइम पीएचडी की शुरुआत की है। 76 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे। बीते नौ मार्च से इसकी आवेदन प्रक्रिया भी शरू हो चकी है। विवि

प्रशासन ने दाखिले के मानक तय किये हैं। सबसे ज्यादा 70 प्रतिशत भारांक एक हजार शब्दों के लेखन पर दिया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पुनम टंडन ने बताया कि जो अभ्यर्थी पार्ट टाइम उन्हें यह एक हजार शब्दों में

पीएचडी में आवेदन करेंगे। बताना होगा कि किस विषय या क्षेत्र में शोध करना चाहते हैं। यह लेखन बहुत अहम होगा। पार्ट टाइम पीएचडी के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग वाले अभ्यर्थियों को भी मौका मिलेगा, उन्हें आनलाइन आवेदन में इसका जिक्र करना होगा। साथ ही इसका प्रमाण पत्र अपलोड किया जा सकता है। हालांकि अपलोड करना अनिवार्य नहीं है। काउंसिलिंग के समय इस पीएचडी के लिए समय सीमा तय

कर दी है। इसके लिए न्यनतम चार वर्ष और अधिकतम आठ वर्ष की समयावधि रखी गई है। इस बाबत लविवि डीन प्रवेश प्रो. वीके शर्मा का कहना है कि पार्ट

टाइम पीएचडी के दाखिले विभाग के स्तर पर होंगे। इसकी जांच आगे की चयन प्रक्रिया भी तय

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

अमृत महोत्सव थीम के तहत विवि में हुए कार्यक्रम

व्याख्यान, निबंध प्रतियोगिता, रेखाचित्र स्पर्धा और वेबिनार आयोजित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। दांडी मार्च की शुरूआत के वर्षगांठ पर भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष में आजादी की अमृत महोत्सव थीम के तहत शुक्रवार को लखनऊ विवि में सांस्कृतिक सेल सांस्कृतिकी की ओर से एक व्याख्यान, निबंध प्रतियोगिता व

रेखाचित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया • विजेता प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

गया। वहीं, डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विवि में विशेष संगोष्ठी और बीबीएयू में वेबिनार इसी थीम पर



METAPHOR

सांस्कृतिकी के समन्वयक प्रो. राकेश पांडेय भी मौजद थी। निबंध प्रतियोगिता जबकि तीसरा स्थान रोशनी रावत और

और रेखा चित्र प्रतियोगिता के परिणाम शिवांगी त्रिवेदी को प्राप्त हुआ। रेखा चित्र

प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआए संध्या नटनागर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआए आयुषी जयराज और प्रियंका दसरा स्थान प्राप्त करने में सक्षम रही और

विधि विवि: डॉ राम मनोहर लोहिया

कुलवंत सिंह, डॉ. वैदुर्य जैन, डॉ. सुमेधा किए। कुलपति प्रो. एसके भटनागर ने संविधान के प्रस्तावना की चर्चा करते हुए

METAPHOR

EDITION 2021

Theatre doyen Raj Bisaria (centre) along with career counsellor Amrita Dass, founder of Metaphor

Lucknow Lit Fest Kanak Rekha Chauhan and others during the release of a book at the Metaphor

उसके महत्व पर प्रकाश डाला और राष्ट्र धर्म को संविधान धर्म के समकक्ष रखते हए संविधान पालन के महत्त्व पर जोर दिया। कार्यक्रम डॉ. अलका सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। उन्होंने सभी बीबीएयु: बाबासाहेब भीमराव

अंबेडकर केंद्रीय विवि बीबीएयू में वेबिनार के मुख्य वक्ता बीएचयू के प्रो.

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

में पार्ट टाइम पीएचडी दाखिले शोध से जुड़े लेखन, नौकरी के अनुभव और इंटरव्य कर 70 फीसद वेटेज दिया

इसकी आवेदन प्रक्रिया भी शरू हो चुकी

नहीं होंगे फेलोशिप के पात्र हजार शब्दों के राइटअप पर मिलेगा।

में आवेदन करेंगे। उन्हें वह एक हजार

पार्ट टाइम पीएचडी वाले

विषय या क्षेत्र में शोध करना की गाइडलाइन चाहते हैं। यह लेखन बहुत मिलेगाईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ

TOI PAGE 2 & 3

Journey into the world of words, metaphors begins with Lit Fest

reading books, it is more about feeling, understanding and living our life with it. Literature is the re-enactment of life itself in beautiful ways. Eminent authors took students and

king them understand the true meaning of literature, diverse career opportunities and latest good reads during the Metaphor Litfest Spring Edition-2021 inau-The seven-day virtual event is being

ciety in collaboration with Lucknow University's department of English and Director, producer and actor Raj Bisa ria, who was the chief guest on the occasion, emphasized how his university days played a crucial role in helping him pur-

organized by Lucknow Expressions So-

Chief guest Rai Bisaria (2nd from right) releasing the journal 'Rhetorica Quarterly' on

ting. "In the last three decades, the university has not given many writers and poets as literary clubs are not that active ing that literature is a part of life is not enough. It should be made one. Literatu re is the re-enactment of life itself in beautiful ways," said Bisaria. Prof Bisaria was felicitated for his

The third issue of 'Rhetorica Quar terly', a literary journal of arts managed by the department of English and Mo-"Literary events like Metaphor con-

nect people's hearts and minds and also provide a wonderful platform to showase the works of writers and poets," sa Amrita Dass. A poetry reading session, 'Nave Lek-

hak Naye Tevar', was conducted by the which the students read poems on the je urney of women and patriarchy. Director, School of Foreign Langua

ges, and professor of English at Indira Delhi, Prof Nandini Sahu, Urdu poe Aisha Ayub, poet, novelist and associate professor of English at Delhi University Anamika and head of Lucknow Univer

Help merely a

click away for

filling LU forms

16 more seats

in varsity's

PhD course

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow Uni

versity has added three seats

to its PhD (regular) course

and 13 to PhD (part-time) co-

The number may go up in

HINDUSTAN TIMES PAGE 2 & 3

LIT FEST SPRING EDITION 2021

Literature makes journey from head to heart easier'

HT Correspondent letters@htlive.com

LUCKNOW: Theatre doyen Raj Bisaria on Friday said literature connects heart to heart.

Inaugurating Metaphor Lit Fest Spring edition 2021 at Lucknow University (LU), Prof Bisaria said events such as literary fests should have come to the university much before.

The festival is being organised by the efforts of the Lucknow Expressions Society in association with department of English and Modern European Languages, Lucknow University. Recalling his journey in the

field of theatre, Prof Bisaria, who is the former professor in the department of English and Modern European Languages at LU, said his stint with theatre started several decades ago from this very Malviya Hall when he invited Raj Kapoor to the university for interaction with stu-

of his careers back then happily answered all sorts asked by students, Padmshri Bisaria recalled. He thanked founder of Metaphor Lucknow Lit Fest Kanak Rekha Chauhan for organising the event with success. Prof Bisaria said one must

The actor who was at the peak

struggle to learn, experience from books and aspire to great things in life while being young. He said, "We should get over with the idea of waiting for other people to usher in change.'

He gladly remembered his own days as a professor and talked about the relevance and importance of literature in all walks of life, thereby inspiring his eager listeners. Prof Bisaria said it has been several years since no acclaimed artist, liter-

ary person emerged from Luc-

know University.

Poetry session titled, "Women writing her poem, "Sita" in and The World" witnessed which she re-imagines the character of Ramayana's Sita poetic symphonies of poets and talks of herself as a such as Dr Anamika, Associate Professor, University of Delhi,

Prof Nandini Sahu, Professor, IGNOU, Urdu poet Aisha Ayub and Prof Ranu Unival, Professor and Head, Department of English and Modern European Languages, LU. Dr Anamika's recitation of her poem titled "Namak" made the entire hall

Prof Nandini Sahu talked about inclusivity and acceptance in Literature and narrated about her experiences while she was during his days which needs to

reverberate with applause.

be revived again to generate interest of students in literature and theatre. Career counsellor, Amrita

Dass said, "People say that the

longest journey one covers in life

ier. A person close to literature can have better understanding of society, human emotions, eco-

affect our lives."

nomics and other things which

She said efforts will be made

to bring Lucknow lit fest at par

the LU. Prof Ranu Uniyal, head of the और बेटियों के जीवन में आशा की किरण बिखेरी हैं। आज महिलाएं व department of English and Mod- बेटियां आत्मिनिर्धर यूपी की पहचान ern European Languages, wel- बनी हैं। यूपी की महिलाओं और बेटियों और महिलाओं के सर्वांगीण बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं समेत है। सरकार ने प्रदेश में छह माह से पुनालिटिक केंद्र भी स्थापित किए

comed the guests. The event wit- श्रेटियों के कदम सर्वोत्तम उत्तर विकास के लिए उनकी सुरक्षा, शिक्षा, अन्य योजनाओं से सीधे तौर परलाभ छह वर्ष तक की आयु के बच्ची, हैं। हाट स्पाट पर सीसी कैमरे, ट्रोन प्राप्त किस के सिल एडा है। nessed the formal launch of the पिछले कई दिनों से अखबारों और केंद्रित करते हुए योजनाओं से प्रदेश third issue of the Rhetorica उत्तर प्रदेश में बदलती महिलाओं की मिल रहा है। महिलाओं को पति के प्रतर को अभर उठाते हुए उनकी की। प्रधानमंत्री मानूत्व वेदना बोजना स्वावित कार्य हुआ के कार्य हुआ है। महिलाओं को मिल रहा है। महिलाओं को पति की Quarterly: A Literary Journal of तस्वीर की जानकारी मिली। Arts curated by and belonging to the Department of English and Modern European Languages. The event also saw the launch

of the Spanish translation of Prof Ranu Uniyal's poetry collection, The Day We Went Strawberry Picking in Scarborough. This was followed by the felic-

itation of two students Priya Sharma and Swati, for bagging

of the Department of English

Lucknow University alumna wins Sahitya Akademi Award never applied for the Sahitya Akademi Award, I was not union ministry of culture announced the Sahitya Akademi

Gautam Buddha with women on streets. It is like a time travel.'

Raieev Mullick

LUCKNOW: Noted poet, social

Award 2020 in New Delhi. up the phone and the caller from my name had figured in the Sahitya Akademi Award 2020

list," said Anamika who did her PG in English Literature from LU in 1985. "I couldn't believe it. Then I wondered for which book this award was being given as I had never applied for the award. It did not take much time to figure it out that the award was for An autonomous body under the my book 'Tokri Meim Digant--



pleasant surprise that I was on a visit to my alma mater and the award came my way the same day," she added. Talking about the award-winning book, Anamika said, "I wrote the book good five years ago. The book is an imaginary conversation between Gautam Buddha with women on streets. It is like a time travel. As I had

from university professors and experts. Self-recommendation doesn't carry much weight," she said. Her father's Shyam Nandan Kishore, a prominent Hindi poet, state capital had people of all cultures and its inclusiveness made the city more liveable Amitabh is a nephrologist. She Unnayan. Ranu Uniyal, professor and head of department of

expecting anything like this to

place. Her husband Dr Bindu has two sons Utkarsh and English and Modern European Languages at LU, said it was a proud moment for department.

मुख्बमंत्री सक्षम सुपोषण वोजना

लिए 100 करोड़ की गशि को

स्वीकृत किया गया है, जिससे सीधे

तौर पर ग्रामीण व शहरी महिलाओं

के पद्य पर बद्दाते हुए सस्कार ने उनको मुख्यमंत्री महिला सामर्थ्य

योजना की सौगात दे। उज्ज्वल

योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं

को निश्शलक गैस कनेव्हान मिला है

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन र

ग्रामीण परिकेश से जुड़ी महिलाएं भी

आत्मनिर्भर बन समाज को दूसर

महिलाओं के कदमों को रोजगार

को लाभ मिलेगा।

ADMISSION

Follow A Video

On University's

YouTube Page

Lucknow: If you are facing

problems in filling admis-

sion forms for undergradua-

te and PhD course of Luck-

just a click away.

se, and what to do if a candidate makes a mistake while filling the form. Candidates may also go to

admission section of LU's website and get a link to the 'The video has been made not only to help and guide candidates for filling up ad-

which are now 442 and 89 reanthropology and a seat of in full-time PhD while in

video with point-wise instructions that highlight what are the documents tha the candidates need, what is to be done to apply for a cour-

Assistant professor in linguistic department Madri

> her than going to a cybercafe or making their parents or elder siblings fill the form for them," said Madri. "Within a few hours of the update, the video recei ved 35 comments and 100 views. Our admission team and officials are tracking ring them at the earliest,

Litfest in Lucknow University on Friday. Lucknow, her alma mater, and अवसर पर जब मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओजस्वी भाषण और Poetry sessions had audience glued to seats said today whatever she had क्वांसी की रिव रंजना की प्रेरणादायक achieved in life is all because of बातें सुनीं तो महसूस हुआ कि इन

folklore poet and her use of "myth as metaphor" in her poems. Aisha Ayub talked about the poetry of Kishwar Nahid and her famous nazm, "Hum Gunhagar Auratey" and her own rendition of it which made the audience burst into

> a huge applause. Prof Ranu Uniyal recited her poem from her collection, The Day We Went Strawberry Picking in Scarborough, which began like "Not For Me".

various medals for their acaacademic year.

demic brilliance in the bygone Kanak Rekha Chauhan's address brought the event to a fruitful end. The event was brought to a close by poetry session by the students and alumni

After attending an event at "I was later told by a few peo-LU, the poet was having lunch somewhere when she got a call ple that the jury got feedback from an unknown number. "It so I did not feel like taking the call. I was in right kind of company at that time. Then I picked

JAGRAN CITY PAGE I

सरकार ने प्रदेश की बेटियों के कदमों

को शिक्षा के पथ पर बढ़ाते हुए उनको

महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान छाई है, बोगी सरकार के मिशन शक्ति से प्रदेश में नई लहर आई है.

(she goes by one name) on Friday won the Sahitya Akademi Award 2020 for her collection of ocems Tokri Mein Digant-Theri It was just a coincidence that he visited University of Luc-Friday and the award was innounced within a few hours.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के

प्रदेश में महिलाओं और बेटियों को भयमुक्त माहौल दिलाने के लिए सरकार संकल्पबद्ध सरकार प्रदेश में महिलाओं और बेटियों को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है, जिसके तहत सेफ सिटी परियोजना शुरू की । पिंक बुध, महिला प्रतिसक्रिय टारालेट के निर्माण के साथ बर्क स्पाट्स को चिद्धित कर वहां प्रकाश की व्यवस्था की गई है। वीमेन पावर लाइन १०९० भी महिलाओं

के लिए वरदान साबित हो रही है।

हेल्पलाइन नंबर 181, 112 व 1076 से भी महिलाओं की समस्याओं का चार सालों में सरकार की स्वर्णिम मुख्यमंत्री ने पर्व और त्योहारों बोजनाओं ने प्रदेश की महिलाओं को नारी शक्ति के साथ जोड़ते हुए शारदीय नवरात्र पर प्रदेश में मिशन शक्ति की शुरुआत की।

बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं, स्कूल है। सरकार ने परिषदीय स्कूलों को पाइवेट स्कूलों की तर्ज पर विकसित किया। अब तक 93 हजार स्कर्ता को आपरेशन कायाकत्प के जरिए इदला गया। स्कूलों में स्मार्ट क्लास के साथ-साथ, कुर्सी मेज व आकर्षक कक्षाएं बनवाई। सरकार ने प्रदेश में परिषदीय स्कूलों की सुरत बदली है।

वोजना, बीसी (बैंकिंग करेस्पांडेंट) ने किया है। उत्तर प्रदेश की कमान सस्त्री योजना, एंटी रोमियो स्क्वाह से जब से मरूबमंत्री बोगी आदित्यनाष्ट्र का प्रवोग: सरकार ने टेक्नोलाजी कं बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला,

मृत्यु उपरान्त निराश्चित महिला पेंशन सभी समस्याओं का निवन सरकार से प्रदेश की 24 लाख महिलाएं

आत्मबल मिला है। वहीं, प्रदेश की ने संभाली है, तब से आज तक प्रदेश बदाते हुए वृपी 112 से इंटीग्रेशन पिछले चार साल में प्रदेश में सर्वांगीण विकास के लिए समेकित बटन, सीसी कैमरे से सुविधाओं मे

छात्र-छात्राओं को निशुल्क जुता,

स्वेटर उपलब्ध कराया । यही बजह

है कि तीन सालों में 54 लाख बच्चे

परिषदीय स्कलों में बढ़ गए हैं।

निश्चित तौर पर सरकार ने जिस

तरीके से प्रदेश की महिलाओं औ

बेटियों के लिए सकारात्मक कार्य

किए हैं. उससे आने वाले समय में

प्रदेश दसरे राज्यों की अपेक्षा बेहतर

सविधाएं व महिलाओं व बेटियों के

र्लिए भयमुक्त माहील वाला नंबर वन

महिलाओं को प्रेरित कर रहीं हैं।

महिला सुरक्षा के लिए टेक्नोलार्ज

अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर है।

All one has to do is to just the coming days as some delog on to the YouTube channel of the university, #Luck now University, where a video has been uploaded to Earlier, LU had declared 439 seats for regular PhD and application forms in Hindi 76 in part-time Phd course and English for academic

> mission form but also to make them more responsible by learning to fill their applica-

MISSION

part-time, nine seats were added in Hindi, two in public administration and one

each in physics and geology